



ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स

प्रलिस के लयि:

[ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स \(ONDC\)](#), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs), [एकीकृत भुगतान इंटरफेस \(Unified Payments Interface- UPI\)](#) ।

मेन्स के लयि:

ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स (ONDC), इसकी क्षमता, चुनौतियाँ और आगे की राह

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स (ONDC) ने मई 2024 में खुदरा और राइड-हेलिंग सेगमेंट में **8.9 मिलियन लेनदेन** का सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया, जो कुल लेनदेन की मात्रा में **23% माह-दर-माह** होने वाली वृद्धि दर्शाता है ।

ONDC क्या है?

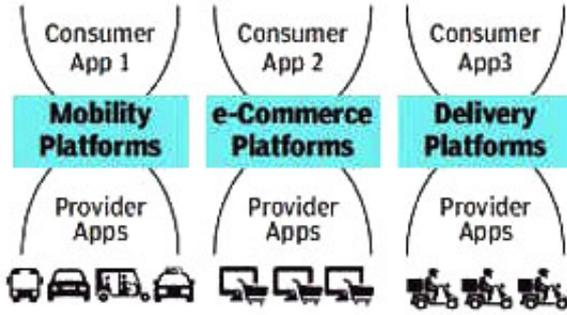
परचिय:

- [ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स \(ONDC\)](#) परस्पर जुड़े ई-मार्केटप्लेस का एक नेटवर्क है, जिसके माध्यम से ब्रांड सहित विक्रेता बचौलियों या मध्यस्थों को दरकनार करते हुए सीधे ग्राहकों को अपने उत्पाद सूचीबद्ध और विक्रय कर सकते हैं ।
 - यह वस्तुओं और सेवाओं की खरीद-बिक्री के लिये प्लेटफॉर्म-केंद्रित मॉडल से खुले स्रोत नेटवर्क में परिवर्तन की अनुमति देता है ।
- इसे [डजिटल इंडिया](#) पहल के एक भाग के रूप में [वाणज्य मंत्रालय](#) द्वारा [उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग \(Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT\)](#) के तहत **वर्ष 2021** में लॉन्च किया गया था ।
- यह करिने का सामान, गृह सजावट, सफाई संबंधी आवश्यक वस्तुएँ, खाद्य वतिरण और अन्य उत्पादों की डलिवरी सेवाएँ प्रदान करता है ।
- यह एक **गैर-लाभकारी संगठन** है जो एक नेटवर्क प्रदान करता है, जिससे विभिन्न उद्योगों में स्थानीय डजिटल वाणज्य स्टोरों को किसी भी नेटवर्क-सक्षम अनुप्रयोगों द्वारा खोजा और उपयोग किया जा सकता है ।
- [एकीकृत भुगतान इंटरफेस \(Unified Payments Interface- UPI\)](#) के समान, ONDC का लक्ष्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के बीच परचालन के स्तर को समान बनाना है ।
- [भारतीय गुणवत्ता परिषद \(Quality Council of India- QCI\)](#) को इस ओपन-सोर्स प्रौद्योगिकी नेटवर्क के माध्यम से ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को एकीकृत करने का कार्य सौंपा गया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को मूल कोड को संशोधित, संवर्द्धित या बेहतर बनाने की अनुमति मिलि सके ।

//

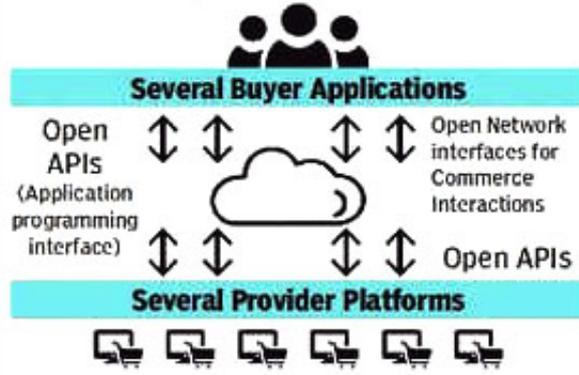
GOVT HOPES TO REPLICATE UPI MODEL'S SUCCESS

Existing: Platform-Centric Model



In the current platform-centric digital commerce model, **buyers and sellers must use the same platform/application** to do a business transaction

Future: Open Network Model



In ONDC's network-centric model, **buyers and sellers can transact no matter what platform/application they use** through an open network

■ उद्देश्य:

- ई-कॉमर्स का लोकतंत्रीकरण और वकिंद्रीकरण ।
- वकिरेताओं, वशिषकर छोटे और मध्यम उद्यमों तथा स्थानीय व्यवसायों के लयि समावेशता एवं पहुँच ।
- उपभोक्ताओं के लयि वकिल्प चुनने और स्वतंत्रता में वृद्धि ।
- वस्तुओं और सेवाओं को सस्ता बनाना ।

■ कार्य प्रणाली:

- ONDC एक खुले नेटवर्क के आधार पर कार्य करता है, जहाँ यह अमेज़न या फ्लिपकार्ट के समान एकल मंच नहीं होगा, बल्कएक प्रवेश द्वार के रूप में होगा जहाँ वभिन्न प्लेटफॉर्मों पर करेता और वकिरेता जुड़ सकेंगे ।

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)

ONDC क्या है?

ONDC सरकार द्वारा समर्थित एक प्लेटफॉर्म है जो सभी के लिये स्वतंत्र रूप से उपलब्ध है। इसका उद्देश्य ई-कॉमर्स को वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद और बिक्री वाले प्लेटफॉर्म केंद्रित मॉडल से ओपन नेटवर्क में स्थानांतरित कर इसे सभी के लिये सुलभ बनाना है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी भागीदार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों से उत्पादों का क्रय करने में सक्षम बनाना है। यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (DPIIT) की एक पहल है।

प्लेटफॉर्म केंद्रित मॉडल क्या है?

प्लेटफॉर्म एक व्यापार मॉडल है जो दो या दो से अधिक अन्यान्योन्माश्रित समूहों, आमतौर पर खरीदारों और विक्रेताओं के बीच आदान-प्रदान की सुविधा द्वारा मूल्य प्राप्त करता है। एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाले लेन-देन के लिये खरीदारों और विक्रेताओं को एक ही ऐप पर उपस्थित होना चाहिये। उदाहरण के लिये, किसी खरीदार को अमेजन (Amazon) पर किसी विक्रेता से उत्पाद खरीदने के लिये अमेजन के ही ऐप या वेबसाइट पर जाना होगा।

लाभ

यह कैटलॉगिंग, इन्वेंट्री प्रबंधन, ऑर्डर प्रबंधन और ऑर्डर पूर्ति जैसे कार्यों का मानकीकरण करेगा, जिससे नेटवर्क पर छोटे व्यवसायों को ढूँढ पाना तथा व्यवसाय का संचालन करना और अधिक आसान हो जाएगा। खरीदारों के लिये अधिक विक्रेताओं तक पहुँच का विकल्प होगा और हाइपर-लोकल रिटेलर्स तक एक्सेस के चलते सामानों की डिलीवरी भी तेजी से हो सकेगी।

ONDC कैसे अलग है?

ONDC मॉडल डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) की सफलता को दोहराने का प्रयास है। ONDC के तहत यह परिकल्पना की गई है कि किसी भी भागीदार ई-कॉमर्स साइट (उदाहरण के लिये, अमेज़न) पर पंजीकृत खरीदार किसी अन्य प्रतिभागी ई-कॉमर्स साइट (उदाहरण के लिये, फ्लिपकार्ट) पर विक्रेता से सामान खरीद सकता है। ओपन नेटवर्क की अवधारणा खुदरा क्षेत्र से अलग किसी भी डिजिटल कॉमर्स डोमेन तक विस्तारित है जिसमें थोक बिक्री, परिवहन, खाद्य वितरण, रसद, यात्रा, शहरी सेवाएँ आदि शामिल हैं।

संभावित मुद्दे

साइन अप के लिये पर्याप्त संख्या में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों की उपलब्धता, ग्राहक सेवा से संबंधित मुद्दे और भुगतान एकीकरण।



‘ओपन सोर्स’ क्या है?

- ‘ओपन सोर्स’ का तात्पर्य है कृिप्रक्रिया के लिये प्रयुक्तप्रौद्योगिकी या कोड सभी के उपयोग, पुनर्वितरण और संशोधन हेतु स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराया जाता है।
- उदाहरण के लिये, iOS का ऑपरेटिंग सिस्टम बंद स्रोत है, इसे कानूनी रूप से संशोधित या उपयोग नहीं किया जा सकता है।
 - जबकि, एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम ओपन सोर्स है, जिससे सैमसंग, नोकिया, श्याओमी आदि जैसे स्मार्टफोन निर्माताओं के लिये इसे अपने संबंधित हार्डवेयर हेतु संशोधित करना संभव हो जाता है।

ONDC के संभावित लाभ क्या हैं?

- उपभोक्ताओं को सशक्त बनाना: ONDC संभावित रूप से सूचना तक पहुँच बढ़ाकर अधिक पारदर्शी वातावरण को बढ़ावा देता है।
 - इससे उपभोक्ताओं को सूचित विकल्प चुनने और विक्रेताओं की एक वसितृत शृंखला से लाभ अर्जति करने का अधिकार मिलाता है, जिससे संभावित रूप से कीमतें कम हो जाती हैं।

- **प्रतस्पर्द्धा को बढ़ावा देना:** मौजूदा प्लेटफॉर्मों के एकाधिकार को समाप्त कर, ONDC एक समान अवसर सृजति करता है। यह बिक्रेताओं के बीच प्रतस्पर्द्धा को प्रोत्साहित करता है, अंततः उत्पादों की एक वस्तुतः वविधिता और उपभोक्ताओं के लिये संभावति रूप से वहनीय कीमतों में परिवर्तति होता है।
- **नवाचार:** ONDC की ओपन-सोर्स वास्तुकला नवाचार को बढ़ावा देती है।
- **लागत कषमता:** ONDC की वकिंद्रीकृत संरचना में परचालन को सुव्यवस्थति करने, अतरिक को कम करने तथा महत्त्वपूर्ण लागत को बचाने की कषमता है।
- **छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना:** ONDC छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (MSME) और स्थानीय बिक्रेताओं के लिये प्रवेश बाधाओं को कम करता है। यह डिजिटल बाजार में अधिक भागीदारी का मार्ग प्रशस्त करता है तथा अधिक समावेशी ई-कॉमर्स पारस्थितिकि तंत्र को बढ़ावा देता है।

ONDC & its potential

Grow India's digital consumption to \$340 bn by 2030 with 500 mn transacting users



Bring the next **500 mn** consumers & 100 mn sellers to trade online



Scope to connect **80-90 mn** self-employed workers



Get **6-7 times** more MSMEs into a diverse ecosystem



Increase a farmer's net income by **25-35%**, enhance the agricultural ecosystem



Further inclusion in digital commerce which is only 7% of total market with **165 mn users**

ONDC के समक्ष चुनौतियाँ क्या हैं?

- **जटिल कारक:** UPI जैसी अन्य प्रणालियों की तुलना में ONDC एक जटिल तंत्र है। लोगों को UPI की सुविधा आकर्षक लगी, जिससे उन्होंने इसे शीघ्रता से अपनाया।
- **स्थापति प्रवृत्तिका खंडन:** उपभोक्ता मौजूदा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्त्ता इंटरफेस और कार्यकषमताओं के आदी हो चुके हैं। ONDC को प्रभावी रूप से प्रतस्पर्द्धा करने के लिये एक सहज और उपयोगकर्त्ता-अनुकूल अनुभव प्रदान करने की आवश्यकता होगी।
- **वविाद समाधान संबंधी चत्ताएँ:** सभी लेन-देन का प्रबंधन करने वाले पारंपरिक प्लेटफॉर्म के वपिरीत, ONDC केवल ऑनलाइन खरीद और बकिरी पर ध्यान केंद्रति करता है।
 - इस पृथक्करण से वतिरण, उत्पाद की गुणवत्ता या बकिरी के बाद की सेवा से संबंधति वविादों में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि ONDC प्रत्यक्ष मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करता है।
- **एक सुदृढ़ शकियात नविवरण तंत्र का अभाव:** ग्राहक सेवा और शकियातों के प्रबंधन के संबंध में उत्तरदायतिव पर स्पष्टता की कमी लोगों को मंच

से जुड़ने से हतोत्साहित कर सकती है।

- **मौजूदा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों से चुनौतियाँ:** पहले से मौजूद ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपनी आकर्षक और इंटरऑपरेबल सेवाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं के साथ मज़बूत संबंध कायम किये हैं।
 - ONDC को इस प्रतस्पर्द्धी परदृश्य में ग्राहकों को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिये आकर्षक रणनीति विकसित करने की आवश्यकता होगी।
- **मूल्य लाभ की अनिश्चितता:** एक सुविधाप्रदाता के रूप में, ONDC सीधे उत्पाद मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने या स्थापित अभिकर्तताओं की तरह उत्पादों पर छूट की पेशकश करने में सक्षम नहीं हो सकता है, जो थोक सौदे और साझेदारी का लाभ उठाते हैं।

आगे की राह

- **डिजिटल बुनियादी ढाँचे का वसितार:** सरकार एक मज़बूत डिजिटल बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है जो ONDC का समर्थन करता है।
 - इसमें ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी में निवेश और ग्रामीण और दूरदराज़ के क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन को कम करने की पहल शामिल हो सकती है।
- **डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना:** विविध क्षेत्रीय भाषाओं की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली एक व्यापक डिजिटल शिक्षा नीति महत्त्वपूर्ण है।
 - यह विशेष रूप से छोटे व्यवसायों से जुड़े उपभोक्ताओं और विक्रेताओं दोनों को ONDC प्लेटफॉर्म को प्रभावी ढंग से नेवगिट करने के लिये सशक्त करेगा। उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस उपयोग में सरलता को प्राथमिकता देते हैं और इसके वसितार में योगदान देंगे।
- **लक्षित आउटरीच कार्यक्रम:** छोटे विक्रेताओं, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) एवं करिना स्टोरों में संलग्न, को आकर्षित करने के लिये पर्याप्त निवेश के साथ-साथ व्यापक आउटरीच कार्यक्रम संचालित करना भी आवश्यक है।
 - प्रोत्साहन और हैंडहोल्डिंग समर्थन प्रारंभिक बाधाओं पर नियंत्रण पाने तथा एक तकनीक आधारित प्लेटफॉर्म अपनाने को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- **ववाद समाधान ढाँचा स्थापित करना:** सूचना वषिमता, अपारदर्शी मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता संबंधी चिंताओं और खरीदार-विक्रेता ववादों जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिये एक सुरक्षित एवं कुशल एकल खड्कि तंत्र (सगिल-वडिओ ससिस्टम) स्थापित करना आवश्यक है।
 - यह ONDC पारसिथितिकी तंत्र में हतिधारकों के बीच वशिवास और आत्मवशिवास स्थापित करेगा।

नषिकर्ष:

ONDC की सफलता सरकार, औद्योगिक खलिडयिओं और नागरिक समाज के बीच एक सहयोगी प्रयास पर निर्भर करती है। डिजिटल अवसंरचना वकिस एवं डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देकर, विक्रेता ऑनबोर्डिंग सुविधा प्रदान करके और एक मज़बूत शकियात नविवरण तंत्र स्थापित करके, ओएनडीसी (ONDC) भारतीय ई-कॉमर्स परदृश्य में समावेशिता, पारदर्शिता एवं प्रतस्पर्द्धा के एक नए युग का सूत्रपात कर सकता है।

दृष्टभेन्स प्रश्न:

भारतीय ई-कॉमर्स परदृश्य में ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) की संभावनाओं पर वविचना कीजिये। इसके सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कीजिये और इसके सफल कार्यान्वयन हेतु रोडमैप सुझाएँ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. 'भारतीय गुणता परषिड (QCI)' के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिवर कीजिये: (2017)

1. QCI का गठन, भारत सरकार तथा भारतीय उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से कयिा गया था।
2. QCI के अध्यक्ष की नियुक्ति, उद्योग द्वारा सरकार को की गई संसुतुतियों पर, प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

प्रश्न. नम्निलखित पर वचिार कीजयि: (2022)

1. आरोग्य सेतु
2. कोवनि
3. डजीलॉकर
4. दीक्षा

उपरयुक्त में से कौन-से, ओपेन-सोर्स डजिटल प्लेटफॉर्म पर बनाए गए हैं ?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2,3 और 4
- (c) केवल 1,3 और 4
- (d) 1,2,3 और 4

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/open-network-for-digital-commerce-4>

